|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Dersin Adı** | | **Kodu** | **Yarıyıl** | **T+U** | **Kredi** | **AKTS** | | **Fonetik ve Diksiyon** | |  | 1 | 2+0 | 2 | 3 | | Ön koşul Dersler |  | | | | | | | Dersin Dili | Türkçe | | | | | | | Dersin Türü | Alan Seçmeli | | | | | | | Dersin Koordinatörü |  | | | | | | | Dersi Veren |  | | | | | | | Dersin Yardımcıları |  | | | | | | | Dersin Amacı | Bu dersin amacı yazı dilimizdeki sesler ve çıkış yerleri, vurgu tonlama, konuşma hızı, ses yüksekliği, sesin perdelenmesi, ünlü uzunlukları konularının öğrencilere aktarılması ve uygulamalarla öğretilmesidir. | | | | | | | Dersin Öğrenme Çıktıları | Bu dersin sonunda öğrenci;   1. Nefesi güçlendirir, sesleri doğru yerden çıkarabilir, doğru vurgu yapabilir, 2. Düzgün cümle kurabilir, etkili ve güzel konuşma becerisi kazanır, 3. Türkçe’yi doğru kullanır, kendini doğru ifade edebilir, 4. İş ve meslek hayatında sözlü ve yazılı olarak kendini rahatça ifade edebilir. | | | | | | | Dersin İçeriği | Diksiyonun önemi, dil ve diksiyon ile ilgili kavramlar, fonetik, ulama, toplum önünde konuşma, solunum alıştırmaları. | | | | | | | **Haftalar** | **Konular** | | | | | | | 1 | Diksiyon sanatının tanımı, önemi, diksiyonun faydaları | | | | | | | 2 | Dil ve diksiyon, Lehçe ve ağız kavramları, | | | | | | | 3 | Diksiyonun amacı, konuşma, üslup türleri | | | | | | | 4 | Fonetik, seslerin doğru yerden çıkarılış şekilleri | | | | | | | 5 | Diksiyon bakımından sesler, selenler, selenlerin gruplandırılması, | | | | | | | 6 | Solunum, soluk alma şekilleri, doğru soluk alma teknikleri | | | | | | | 7 | Solunum alıştırmaları ve uygulamaları | | | | | | | 8 | Ses olayı, konuşma, sesin nitelikleri, şiddet, yükseklik, tını | | | | | | | 9 | Boğumlama ve boğumlama alıştırmaları | | | | | | | 10 | Selen, tanımı, Selen kusurları, ses güçsüzlüğünü gidermenin yolları | | | | | | | 11 | Durak, tanımı, durak alıştırmaları, tonlama alıştırmaları | | | | | | | 12 | Kelime durakları, söyleyiş alıştırmaları | | | | | | | 13 | Ulama ve ulama alıştırmaları | | | | | | | 14 | Toplum önünde konuşma ve beden dilinin önemi | | | | | |  |  | | --- | | **Genel Yeterlilikler** | | Öğrencilerden bu dersin ana konularını anlamaları ve alanları ile uygulamalarında kullanmaları beklenir. | | **Kaynaklar** | | Şenbay,N. (1991). Alıştırmalı Diksiyon Sanatı, İstanbul: Meb Yayınları.  Hengirmen, M., Güler E. (2005). Ses Bilimi Ve Diksiyon, Ankara: Engin Yayınevi. | | **Değerlendirme Sistemi** | | Dönem başında ders izlencelerinde belirtilir. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **PROGRAM ÖĞRENME ÇIKTILARI İLE**  **DERS ÖĞRENİM KAZANIMLARI İLİŞKİSİ TABLOSU** | | | | | | | | | | | | | | | | | | |  | **PÇ1** | **PÇ2** | | **PÇ3** | **PÇ4** | | **PÇ5** | **PÇ6** | | **PÇ7** | **PÇ8** | | **PÇ9** | **PÇ10** | | **PÇ11** | **PÇ12** | | **ÖÇ1** | 1 | 2 | | 4 | 1 | | 3 | 4 | | 2 | 4 | | 3 | 3 | | 1 | 4 | | **ÖÇ2** | 1 | 3 | | 4 | 3 | | 5 | 4 | | 3 | 5 | | 3 | 4 | | 1 | 4 | | **ÖÇ3** | 1 | 2 | | 4 | 2 | | 4 | 5 | | 3 | 5 | | 4 | 3 | | 1 | 4 | | **ÖÇ4** | 1 | 2 | | 5 | 3 | | 5 | 5 | | 3 | 5 | | 4 | 3 | | 2 | 5 | | **ÖÇ: ÖğrenmeÇıktıları PÇ: Program Çıktıları** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **KatkıDüzeyi** | | | **1 ÇokDüşük** | | | **2 Düşük** | | | **3 Orta** | | | **4 Yüksek** | | | **5 ÇokYüksek** | | |   Program Çıktıları ve İlgili Dersin İlişkisi   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Ders** | **PÇ1** | **PÇ2** | **PÇ3** | **PÇ4** | **PÇ5** | **PÇ6** | **PÇ7** | **PÇ8** | **PÇ9** | **PÇ10** | **PÇ11** | **PÇ12** | | Fonetik ve Diksiyon | 1 | 2 | 4 | 2 | 4 | 5 | 3 | 5 | 4 | 3 | 1 | 4 | |